भारत - माइक्रोनेशिया संघीय राज्य संबंध

मनीला स्थित भारतीय मिशन को प्रशांत क्षेत्र के दो द्वीपीय देशों : पलाऊ गणराज्य और माइक्रोनेशिया संघीय राज्य की समवर्ती रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारत प्रशांत द्वीप समूह फोरम के साथ नियमित वार्ता भी करता रहा है, जिसके ये दोनों देश सदस्य हैं।

दक्षिण - दक्षिण सहयोग की भावना में तथा संयुक्त महाराष्ट्र के एस आई डी एस फोरम के माध्यम से भी भारत तथा दोनों देशों के बीच संबंध विकसित हुए हैं। भारत ने भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) के माध्यम से क्षमता निर्माण एवं मानव संसाधन विकास में इन देशों की मदद करना जारी रखा है, तथा हर साल माइक्रोनेशिया को तीन स्लाट और पलाऊ को दो स्लाट की पेशकश कर रहा है। भारत एफ आई पी आई सी के सभी देशों की तरह प्रत्येक देश को 2,00000 अमरीकी डालर का वार्षिक अनुदान देता है।

माइक्रोनेशिया संघीय राज्य

माइक्रोनेशिया का भौगोलिक क्षेत्रफल 702 वर्ग किलोमीटर है तथा इसकी आबादी 1,07,434 है (2009 के आंकड़ों के अनुसार)।

भारत ने माइक्रोनेशिया संघीय राज्य के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किया तथा तब से सरकारी एवं राजनयिक अधिकारियों के साथ नियमित बातचीत हो रही है। भारत - प्रशांत द्वीप सहयोग मंच (एफ आई पी आई सी) की शुरुआत के बाद इससे संबंधों में काफी प्रगाढ़ता आई है। माइक्रोनेशिया संघीय राज्य के राष्ट्रपति ने जयपुर में आयोजित द्वितीय एफ आई पी आई सी के लिए अगस्त 2015 में भारत का दौरा किया। एफ आई पी आई सी भारत तथा एफ एस एम के बीच विकास साझेदारी को भी सुदृढ़ करता है।

भारत ने 2015 में एफ एस एम एकीकृत कृषि जनगणना के लिए 2,00000 अमरीकी डालर की सहायता प्रदान की। भारत की ओर से विकास सहायता में वर्जिन कोकोनट आयल निकालने के लिए मशीनरी के क्रय के लिए 2005 में 48,796 अमरीकी डालर का अनुदान; कोकोनट उद्योग के लिए मशीनरी के क्रय के लिए 2009 में 73145 अमरीकी डालर का अनुदान शामिल है; कोकोनट क्रूड आयल के उत्पादन को बढ़ाने एवं स्तरोन्नत करने की एक परियोजना के लिए 2011 में 1,00000 अमरीकी डालर का सहायता अनुदान दिया गया। भारत एफ एस एम को हर साल तीन आई टी ई सी छात्रवृत्तियों की भी पेशकश करता है।

भारत और माइक्रोनेशिया के बीच व्यापार बहुत कम है। 2014-15 में भारत ने 0.23 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य के मुख्य रूप से फार्मास्युटिकल का निर्यात किया, जबकि 2013-14 में 0.57 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य के माल का निर्यात किया गया था। भारत ने 2013-14 में 0.01 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य के माल का आयात किया।

माइक्रोनेशिया भारत के लिए महत्व रखने वाले मुद्दों, विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करता है तथा इसने 2011-12 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया था। माइक्रोनेशिया में तकरीबन 37 भारतीय हैं।

***

जनवरी, 2016